तुरंत जारी करने हेतु

(प्रेस विज्ञप्ति सं. 104/2025)

प्रेस के लिए सूचना नोट

सत्यमेव जयते

भादूविप्रा TRAI

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर,2025

(www.trai.gov.in)

31 अगस्त, 2025 को समाप्त मासिक अवधि के अनुसार दूरसंचार उपभोक्ता डाटा से संबंधित मुख्य झलकियां

विवरण	वायरलैस*	वायरलाइन	कुल (वायरलैस+वायरलाइन)
ब्राडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**945.51**	**44.07**	**989.58**
शहरी टेलीफ़ोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**645.27**	**41.52**	**686.79**
अगस्त, 2025 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	4.23	-0.96	3.27
मासिक वृद्धि दर	0.66%	-2.27%	0.48%
ग्रामीण टेलीफ़ोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**532.76**	**4.99**	**537.75**
अगस्त, 2025 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	1.88	-0.64	1.24
मासिक वृद्धि दर	0.36%	-11.44%	0.23%
टेलीफोन उपभोक्ताओं की कुल संख्या (मिलियन में)	**1178.03**	**46.51**	**1224.54**
अगस्त, 2025 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	6.12	-1.61	4.51
मासिक वृद्धि दर	0.52%	-3.34%	0.37%
समग्र दूरसंचार-घनत्व@	**83.12%**	**3.28%**	**86.40%**
शहरी दूरसंचार-घनत्व@	126.38%	8.13%	134.51%
ग्रामीण दूरसंचार-घनत्व@	58.76%	0.55%	59.31%
शहरी उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	54.78%	89.28%	56.09%
ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	45.22%	10.72%	43.91%

- अगस्त, 2025 के माह में 15.05 मिलियन उपभोक्ताओं ने मोबाइल नम्बर पोर्टिबिलिटी (एमएनपी) हेतु अपने अनुरोध दर्ज करवाए हैं।
- अगस्त, 2025 के अंत तक सक्रिय वायरलेस (मोबाइल) उपभोक्ताओं (अधिकतम वीएलआर# की तिथि पर) की संख्या 1086.18 मिलियन थी।

नोट: -

* वायरलेस में फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस (एफडब्ल्यूए) सदस्यता भी शामिल है।

@ 'भारत और राज्यों के लिए जनसंख्या अनुमानों पर तकनीकी समूह की रिपोर्ट 2011-2036' से जनसंख्या के प्रक्षेपण के आधार पर।

VLR विज़िटर लोकेशन रजिस्टर का संक्षिप्त नाम है। विभिन्न दूरसंचार सेवा प्रदाताओं के लिए पीक वीएलआर की तिथियां अलग-अलग सेवा क्षेत्रों में अलग-अलग हैं।

इस प्रेस विज़प्ति में दी गई जानकारी दूरसंचार सेवा प्रदाताओं द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों पर आधारित है।

I. ब्राडबैंड सब्सक्राइबर बेस

अगस्त, 2025 के अंत में 1,426 सेवा प्रदाताओं से प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, ब्राडबैंड सब्सक्राइबरों की संख्या 984.69 मिलियन से बढ़कर 989.58 मिलियन हो गई जिसमें वृद्धि दर 0.50 प्रतिशत रही। श्रेणीवार ब्राडबैंड सब्सक्राइबरों की संख्या तथा उनकी मासिक वृद्धि दर नीचे दी गई है:-

अगस्त, 2025 के माह की स्थिति के अनुसार ब्राडबैंड सब्सक्राइबर बेस तथा उनकी मासिक वृद्धि दर

सेगमेंट	सब्सक्रिप्शन	सब्सक्राइबर बेस (मिलियन में)		परिवर्तन दर (प्रतिशत)
		जुलाई-25	अगस्त-25	
वायर्ड सब्सक्राइबर	**फिक्स्ड (वायर्ड) एक्सेस** (डी,एस.एल., एफ.टी.टी.एक्स., ईथरनेट/एल.ए.न, केबल मॉडेम, आई.एल.एल)	45.49	44.07	-3.13%
वायरलेस सब्सक्राइबर	**फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस** [1] (एफ.डब्ल्यू.ए.-5जी, वाई-फाई, वाई-मैक्स, रेडियो/यूबीआर, सैटेलाइट)	8.79	11.40	29.69%
	मोबाइल वायरलेस एक्सेस (हैंडसेट/डोंगल आधारित-3जी, 4जी, 5जी)	930.41	934.11	0.40%
कुल		**984.69**	**989.58**	**0.50%**

[1], एफडब्ल्यूए ब्रॉडबैंड में भिन्नता फिक्स्ड वायरलेस (बिना लाइसेंस वाले बैंड) की अलग रिपोर्टिंग के कारण है, जिसे पहले मैसर्स आरजेआईएल द्वारा एफटीटीएक्स के तहत शामिल किया गया था।

31 अगस्त, 2025 के अंत तक सबसे बड़े पांच (वायर्ड+वायरलेस) सेवा प्रदाता

क्रम संख्या	सेवा प्रदाता का नाम	सब्सक्राइबर बेस (मिलियन में)
1.	रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड	501.31
2.	भारती एयरटेल लिमिटेड	309.22
3.	वोडाफोन आइडिया लिमिटेड	127.48
4.	भारत संचार निगम लिमिटेड	34.31
5.	आत्रिया कन्वर्जेंस टेक्नोलॉजीज लिमिटेड	2.35
पांच सबसे बड़े ब्रॉडबैंड (वायर्ड + वायरलेस) सेवा प्रदाताओं का मार्केट शेयर		**98.49%**

- ब्राडबैंड सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी का रेखाचित्रवार प्रदर्शन नीचे दिया गया हैः -

दिनांक 31 अगस्त, 2025 की स्थिति के अनुसार ब्राडबैंड (वायरलाईन+वायरलैस) सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी

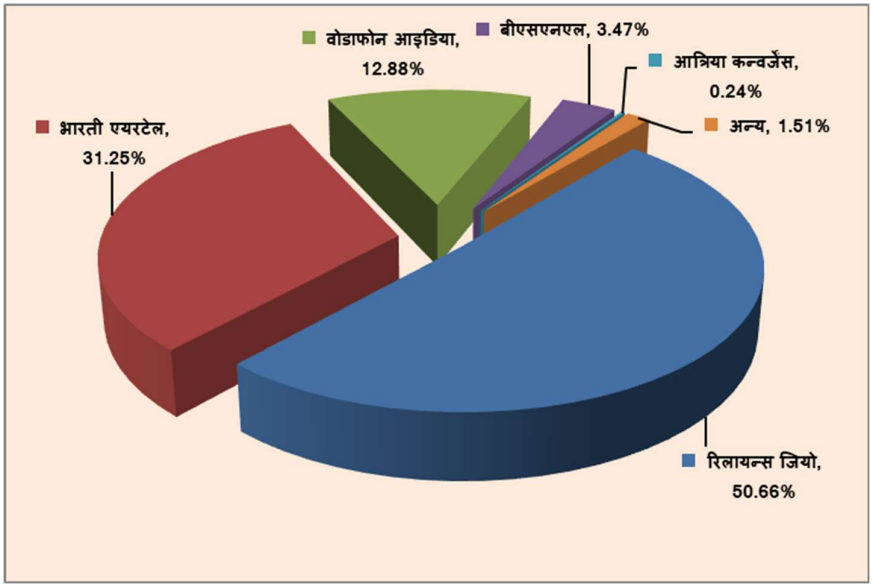

दिनांक 31 अगस्त, 2025 की स्थिति के अनुसार पांच सबसे बड़े फिक्सड वायर्ड एक्सेस ब्राडबैंड सेवा प्रदाता

क्रम संख्या	सेवा प्रदाता का नाम	सब्सक्राइबर बेस (मिलियन में)
1.	रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड	13.00
2.	भारती एयरटेल लिमिटेड	9.68
3.	भारत संचार निगम लिमिटेड	4.38
4.	आत्रिया कन्वर्जेंस टेक्नोलॉजीज लिमिटेड	2.35
5.	केरला विजन ब्रॉडबैंड लिमिटेड	1.40
पांच सबसे बड़े फिक्सड वायर्ड एक्सेस ब्राडबैंड सेवा प्रदाताओं का मार्केट शेयर		**69.90%**

दिनांक 31 अगस्त, 2025 की स्थिति के अनुसार पांच सबसे बड़े वायरलेस ब्राडबैंड (फिक्स्ड वायरलेस ब्राडबैंड और मोबाइल ब्राडबैंड) सेवा प्रदाता

क्रम संख्या	सेवा प्रदाता का नाम	सब्सक्राइबर बेस (मिलियन में)
1.	रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड	488.31
2.	भारती एयरटेल लिमिटेड	299.54
3.	वोडाफोन आइडिया लिमिटेड	127.47
4.	भारत संचार निगम लिमिटेड	29.93
5.	आईबस वर्चुअल नेटवर्क सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड	0.12
पांच सबसे बड़े वायरलेस ब्राडबैंड (फिक्स्ड वायरलेस ब्राडबैंड और मोबाइल ब्राडबैंड) सेवा प्रदाताओं का मार्केट शेयर		**99.99%**

II. वायरलाइन सब्सक्राइबर बेस

- वायरलाइन सब्सक्राइबरों की कुल संख्या जुलाई, 2025 को 48.11 मिलियन से घटकर अगस्त, 2025 को 46.51 मिलियन हो गई। इस माह में -3.34% की मासिक घटाव दर के साथ वायरलाइन सब्सक्राइबरों की संख्या में -1.61 मिलियन की निबल कमी दर्ज की गई।

- भारत में कुल वायरलाइन टेली-घनत्व जुलाई, 2025 के अंत में 3.40% से घटकर अगस्त, 2025 के अंत में 3.28% हो गई। इसी अवधि के दौरान शहरी और ग्रामीण वायरलाइन टेली-घनत्व क्रमशः 8.13% और 0.55% था। अगस्त, 2025 के अंत में कुल वायरलाइन सब्सक्राइबरों में शहरी और ग्रामीण ग्राहकों की हिस्सेदारी क्रमशः 89.28% और 10.72% थी।

- 31 अगस्त, 2025 के अंत में तीनों सार्वजनिक क्षेत्रों के सेवा प्रदाताओं यथा बीएसएनएल, एमटीएनएल तथा एपीएसएफएल के पास वायरलाइन बाजार की 20.53% हिस्सेदारी थी। वायरलाइन सब्सक्राइबरों की संख्या के विस्तृत आंकड़े **अनुलग्नक-1** में उपलब्ध हैं।

दिनांक 31 अगस्त, 2025 की स्थिति के अनुसार एक्सेस सेवा प्रदातावार वायरलाइन सब्सक्राइबर बेस की बाजार हिस्सेदारी

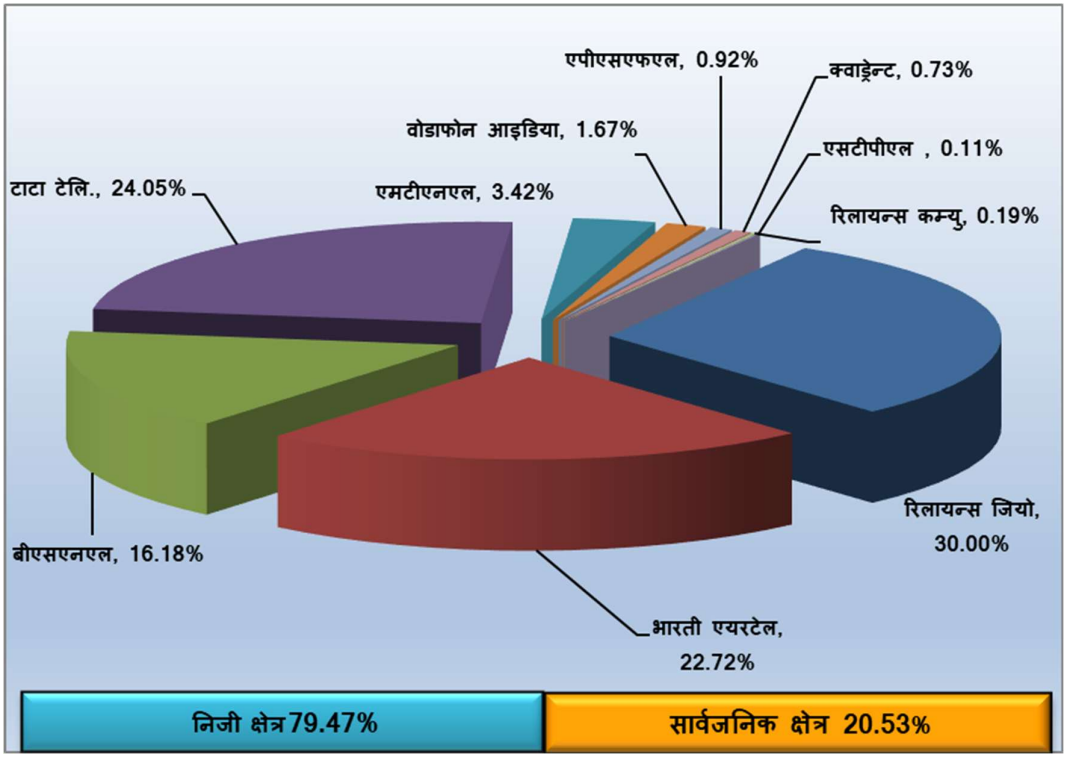

अगस्त, 2025 माह में टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के वायरलाइन सब्सक्राइबरों की संख्या में जोड़े गए/कम हुए निबल नए सब्सक्राइबर

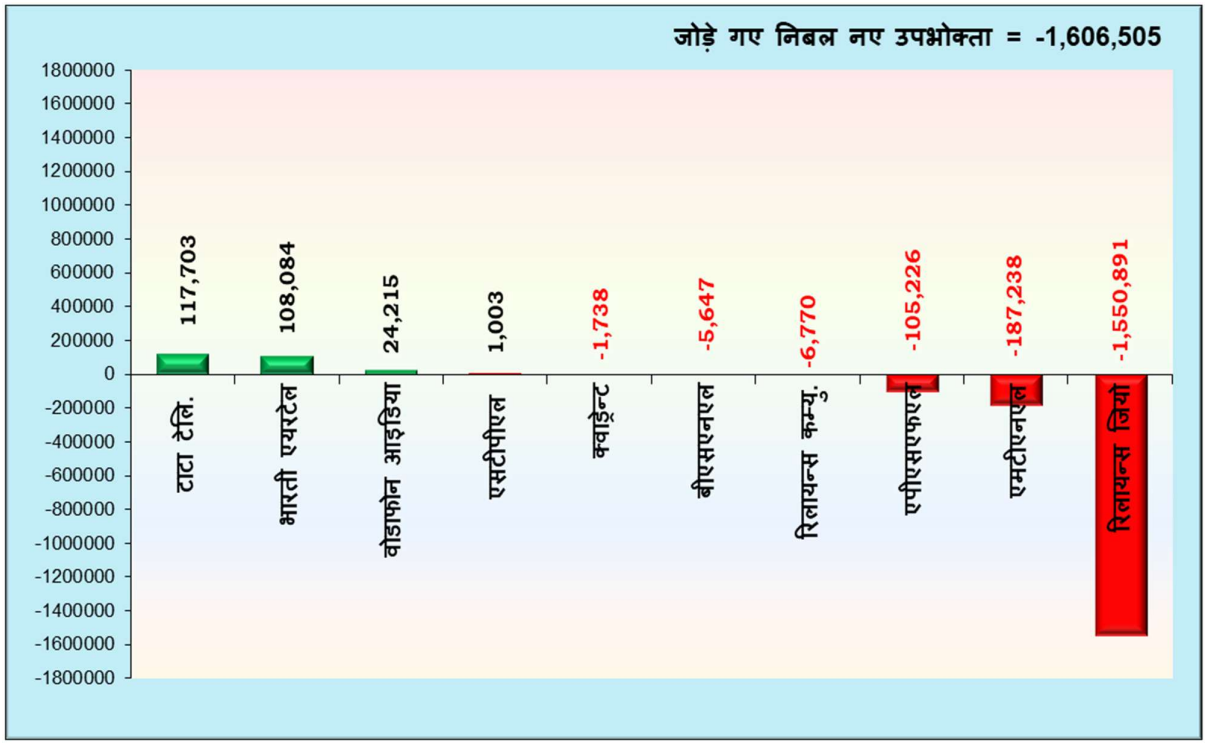

III. वायरलेस (मोबाइल + एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबर बेस

- कुल वायरलेस (मोबाइल + एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबरों की संख्या जुलाई, 2025 को 1,171.91 मिलियन से बढ़कर अगस्त, 2025 को 1,178.03 मिलियन हो गई, जिससे 0.52% की मासिक वृद्धि दर दर्ज की गई। शहरी क्षेत्रों में कुल वायरलेस सब्सक्रिप्शन 31 जुलाई, 2025 को 641.03 मिलियन से बढ़कर, 31 अगस्त 2025 को 645.27 मिलियन हो गई और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में सब्सक्रिप्शन 530.88 मिलियन से बढ़कर 532.76 मिलियन हो गई। शहरी और ग्रामीण वायरलेस सब्सक्रिप्शन की मासिक वृद्धि दर क्रमशः 0.66% और 0.36% थी।

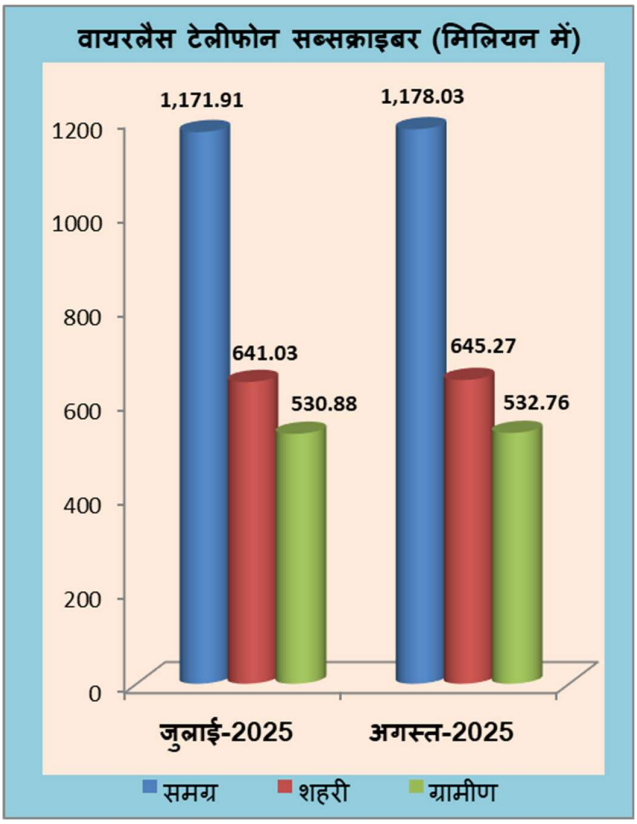

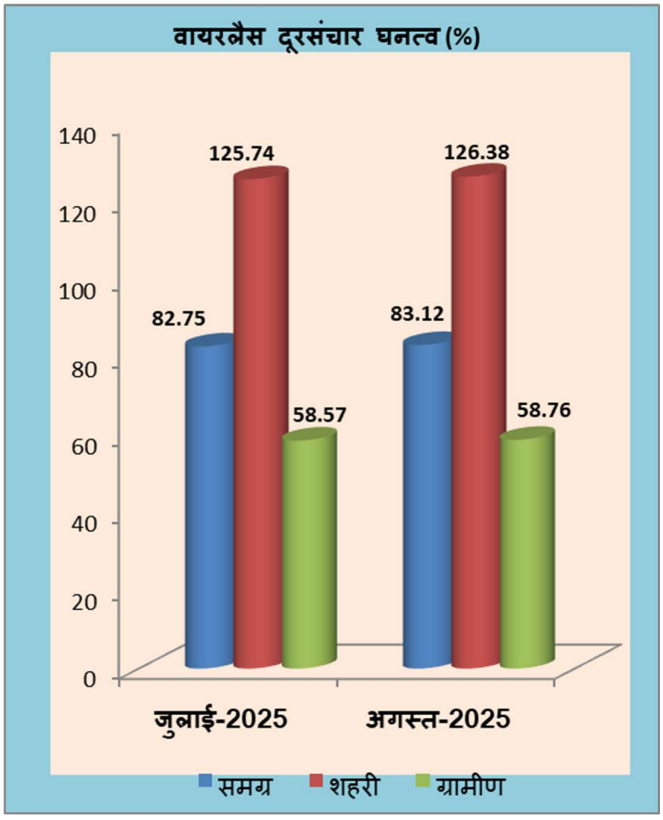

- भारत में वायरलेस टेली-घनत्व जुलाई, 2025 के अंत में 82.75% से बढ़कर अगस्त, 2025 के अंत में 83.12% हो गया। शहरी वायरलेस टेली-घनत्व जुलाई, 2025 के अंत में 125.74% से बढ़कर अगस्त, 2025 के अंत में 126.38% हो गया और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण टेली-घनत्व में 58.57% से बढ़कर 58.76% हो गया। अगस्त, 2025 के अंत में कुल वायरलेस ग्राहकों में शहरी और ग्रामीण वायरलेस ग्राहकों की हिस्सेदारी क्रमशः 54.78% और 45.22% थी।

वायरलेस (मोबाइल) ग्राहकों और वायरलेस (एफडब्ल्यूए) ग्राहकों का विवरण नीचे दिया गया है: -

(ए) वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर बेस

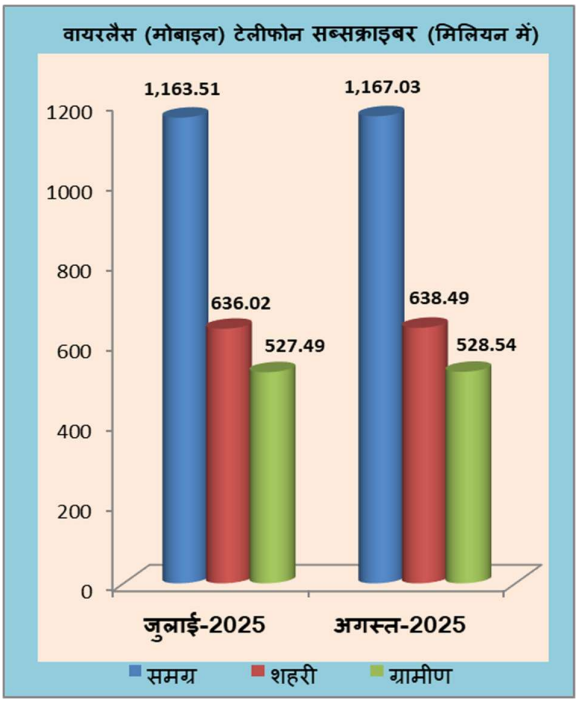

• कुल वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबरों की संख्या जुलाई, 2025 के अंत में 1,163.51 मिलियन से बढ़कर अगस्त, 2025 के अंत में 1,167.03 मिलियन हो गए, जिससे मासिक वृद्धि दर 0.30% दर्ज की गई। शहरी क्षेत्रों में वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्रिप्शन जुलाई, 2025 के अंत में 636.02 मिलियन से बढ़कर अगस्त, 2025 के अंत में 638.49 मिलियन हो गई और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्रिप्शन 527.49 मिलियन से बढ़कर 528.54 मिलियन हो गई। शहरी और ग्रामीण वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्रिप्शन की मासिक वृद्धि दर क्रमशः 0.39% और 0.20% थी।

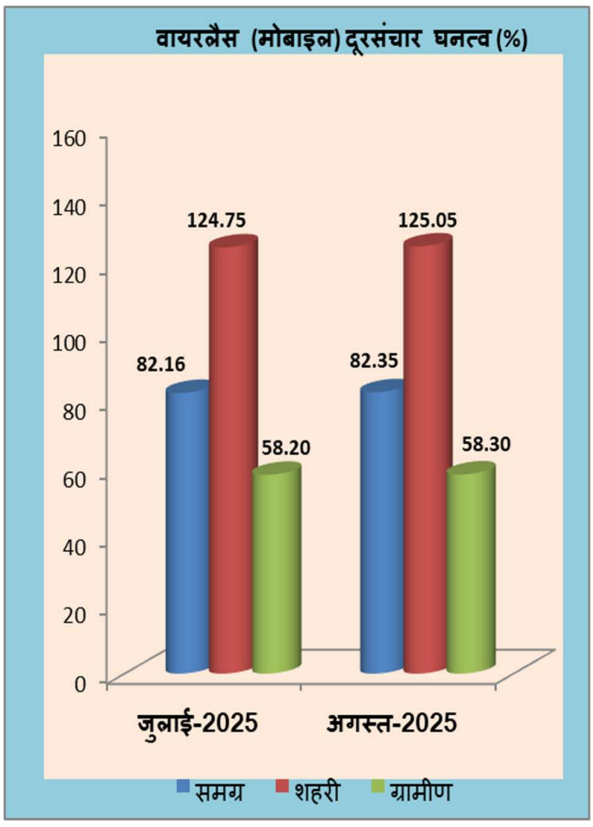

• भारत में वायरलेस (मोबाइल) टेली-घनत्व जुलाई, 2025 के अंत में 82.16% से बढ़कर अगस्त, 2025 के अंत में 82.35% हो गया। शहरी वायरलेस टेली-घनत्व जुलाई, 2025 के अंत में 124.75% से बढ़कर अगस्त, 2025 के अंत में 125.05% हो गया और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण टेली-घनत्व में 58.20% से बढ़कर 58.30% हो गया। अगस्त, 2025 के अंत में कुल वायरलेस (मोबाइल) ग्राहकों में शहरी और ग्रामीण वायरलेस (मोबाइल) ग्राहकों की हिस्सेदारी क्रमशः 54.71% और 45.29% थी।

वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर बेस के विस्तृत आँकड़े **अनुलग्नक-2** में उपलब्ध हैं।

- दिनांक 31 अगस्त, 2025 की स्थिति के अनुसार, निजी सेवा प्रदाताओं के पास वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर की संख्या का 92.11% बाजार हिस्सेदारी थी जबकि दो सार्वजनिक क्षेत्रों के टेलीफोन सेवा प्रदाताओं नामतः बीएसएनएल तथा एमटीएनएल के पास 7.89% बाजार हिस्सेदारी थी।

- एक्सेस सेवा प्रदाता-वार बाजार हिस्सेदारी और वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर बेस में शुद्ध वृद्धि को रेखाचित्र के रूप में नीचे प्रदर्शित किया गया हैः -

31 अगस्त, 2025 तक वायरलेस (मोबाइल) उपभोक्ताओं के संदर्भ में एक्सेस सेवा प्रदाता-वार बाजार हिस्सेदारी

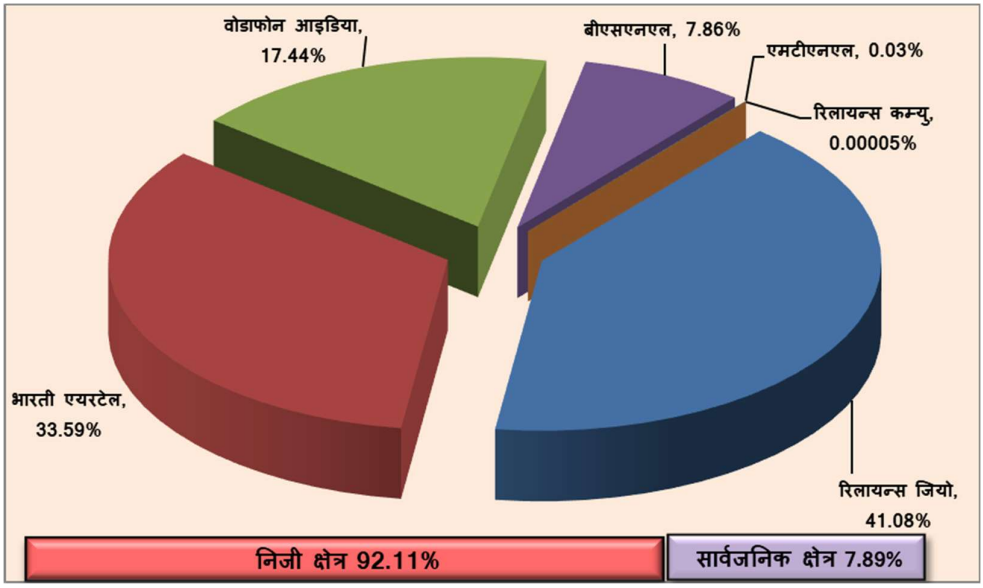

31 अगस्त, 2025 के महीने में एक्सेस सेवा प्रदाताओं के वायरलेस (मोबाइल) ग्राहकों में शुद्ध वृद्धि/कमी

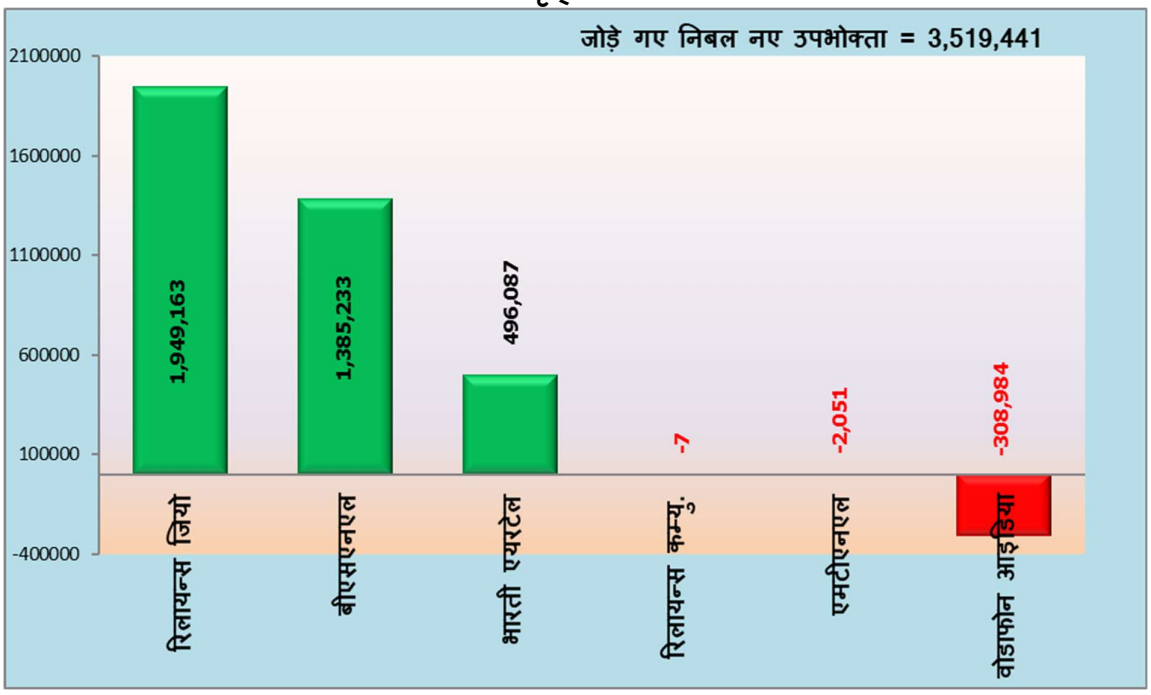

वायरलैस (मोबाइल) सब्सक्राइबरों में वृद्धि

अगस्त, 2025 माह में वायरलेस सब्सक्राइबरों की प्रमुख एक्सेस सेवा प्रदातावार मासिक वृद्धि दर

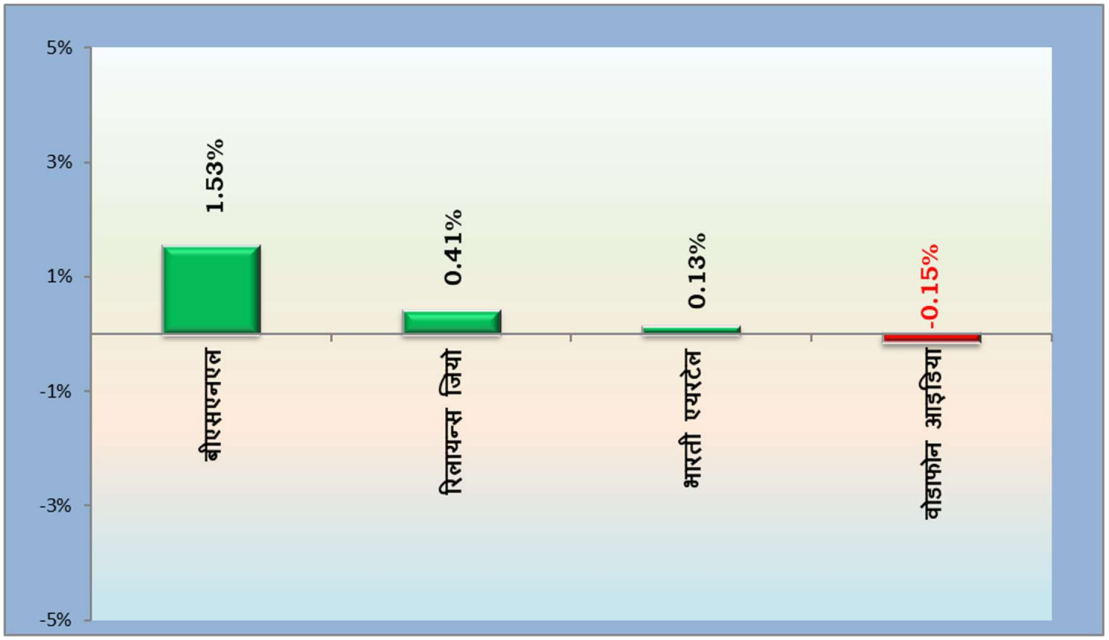

अगस्त, 2025 माह के दौरान सेवा-क्षेत्रवार वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर बेस में मासिक वृद्धि दर

- अगस्त, 2025 के दौरान पश्चिम बंगाल, उत्तर-पूर्व और पंजाब सेवा क्षेत्र को छोड़कर अन्य सभी सेवा क्षेत्रों में वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर की संख्या में वृद्धि दर दर्ज की गई।

(बी) वायरलेस (5जी एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबर बेस

- वर्तमान में, फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस (एफडब्ल्यूए) आधारित सेवाएं दो श्रेणियों के तहत प्रदान की जा रही हैं:
  (a) 5जी एफडब्ल्यूए i.e. एफडब्ल्यूए 5G रेडियो एक्सेस तकनीक का उपयोग करके; और
  (b) यूबीआर एफडब्ल्यूए i.e. एफडब्ल्यूए बिना लाइसेंस वाले बैंड रेडियो (यूबीआर) तकनीक का उपयोग करके.
- जुलाई, 2025 के अंत में कुल वायरलेस (5जी एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबरों की संख्या 8.40 मिलियन से बढ़कर अगस्त, 2025 के अंत में 8.90 मिलियन हो गई, जिसमें शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में सब्सक्राइबरों की संख्या क्रमशः 5.27 मिलियन और 3.63 मिलियन थी। अगस्त, 2025 के अंत में कुल वायरलेस (5जी एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबरों में शहरी और ग्रामीण वायरलेस (5जी एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबरों की हिस्सेदारी क्रमशः 59.21% और 40.79% थी।
- वायरलेस (5जी एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबर बेस के विस्तृत आँकड़े **अनुलग्नक-5** पर उपलब्ध हैं।
- रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड ने अगस्त 2025 से यूबीआर एफडब्ल्यूए ग्राहकों की संख्या की रिपोर्ट करना शुरू कर दिया है।
- अगस्त 2025 के अंत तक यूबीआर एफडब्ल्यूए सब्सक्रिप्शन की संख्या 2.1 मिलियन थी, जिसमें शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में सब्सक्रिप्शन क्रमशः 1.51 मिलियन और 0.59 मिलियन थे। अगस्त 2025 के अंत तक कुल वायरलेस (यूबीआर एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबर्स में शहरी और ग्रामीण वायरलेस (यूबीआर एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबर्स की हिस्सेदारी क्रमशः 71.90% और 28.10% थी।
- वायरलेस (यूबीआर एफडब्ल्यूए) ग्राहक आधार की जानकारी **अनुलग्नक-VI** पर उपलब्ध है।

IV. एम2एम सेल्युलर मोबाइल कनेक्शन

एम2एम सेलुलर मोबाइल कनेक्शनों की संख्या जुलाई, 2025 के अंत में 84.62 मिलियन से बढ़कर अगस्त, 2025 के अंत में 89.70 मिलियन हो गई।

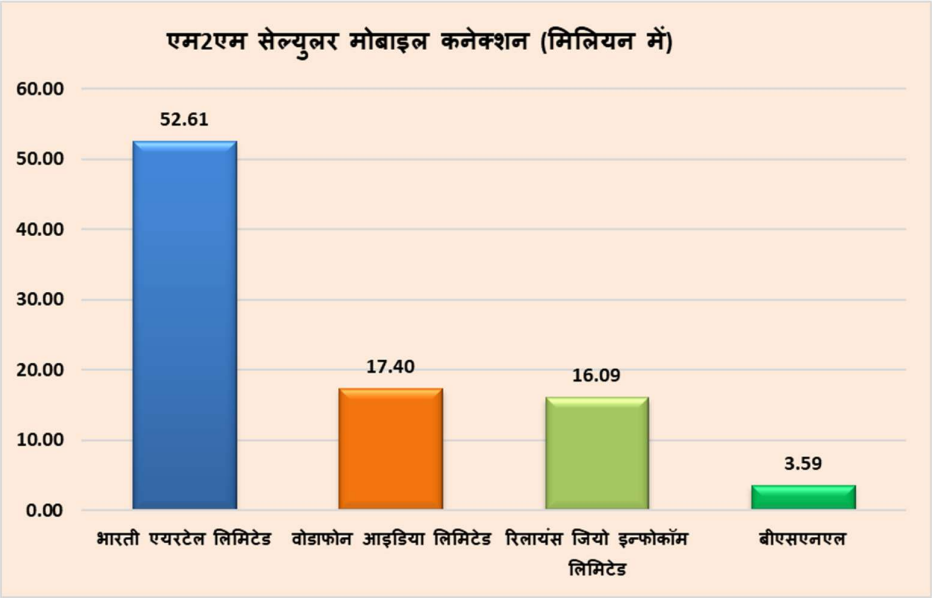

भारती एयरटेल लिमिटेड के पास 58.66% की बाजार हिस्सेदारी के साथ सबसे अधिक एम2एम सेल्युलर मोबाइल कनेक्शन 52.61 मिलियन हैं, इसके बाद वोडाफोन आइडिया लिमिटेड, रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड और बीएसएनएल के पास क्रमशः 19.40%, 17.94% और 4.01% की बाजार हिस्सेदारी है।

V. कुल टेलीफोन सब्सक्राइबर बेस

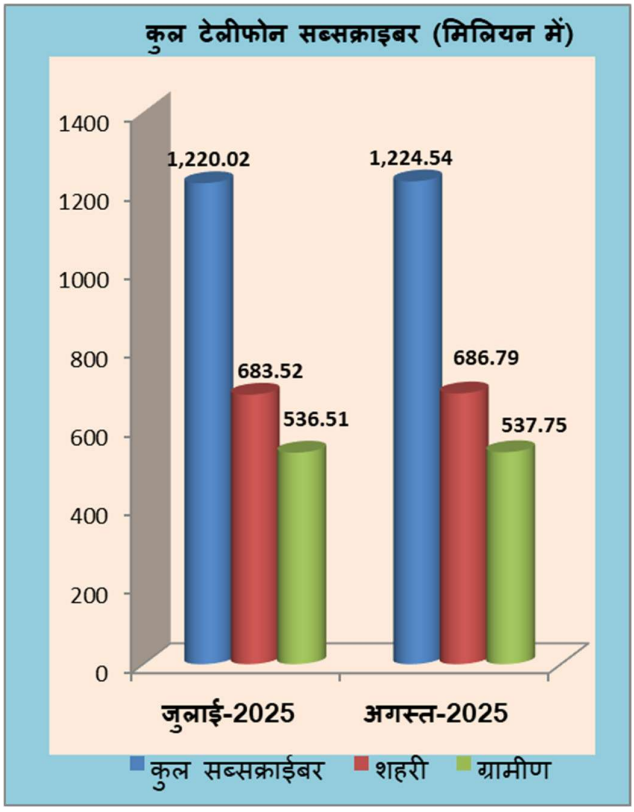

- जुलाई, 2025 के अंत तक देश में टेलीफोन सब्सक्राइबरों की संख्या 1,220.02 मिलियन से बढ़कर अगस्त, 2025 के अंत तक 1,224.54 मिलियन हो गई, जिसमें मासिक वृद्धि दर 0.37 प्रतिशत दर्ज की गयी। जुलाई, 2025 के अंत तक शहरी सब्सक्राइबरों की संख्या 683.52 मिलियन से बढ़कर अगस्त, 2025 के अंत तक 686.79 मिलियन हो गई और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण सब्सक्राइबरों की संख्या 536.51 मिलियन से बढ़कर 537.75 मिलियन हो गई। अगस्त, 2025 माह के दौरान शहरी एवं ग्रामीण सब्सक्राइबरों की मासिक वृद्धि दर क्रमशः 0.48% तथा 0.23% रही।

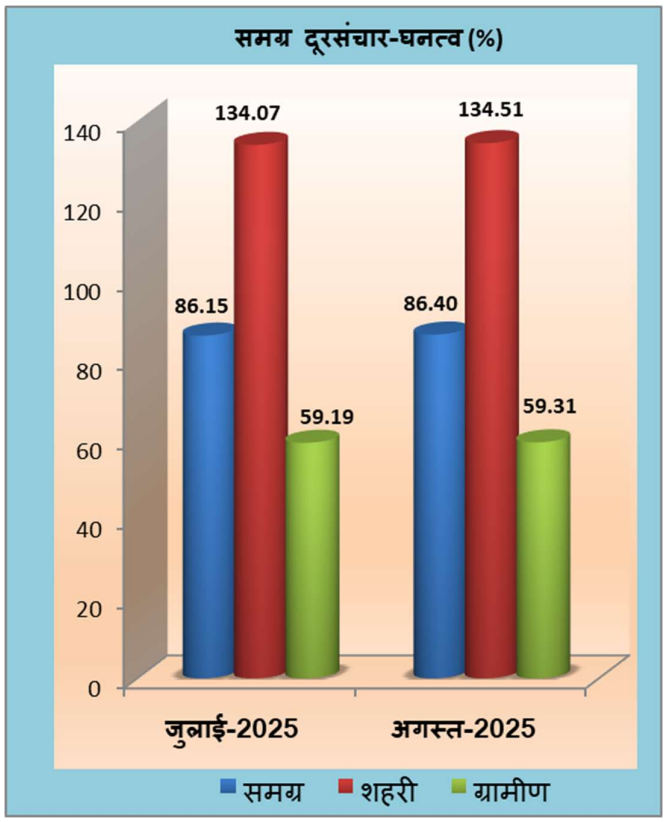

- देश में समग्र दूरसंचार घनत्व जुलाई, 2025 के अंत तक 86.15% से बढ़कर अगस्त, 2025 के अंत तक 86.40% हो गया। शहरी दूरसंचार घनत्व जुलाई, 2025 के अंत तक 134.07% से बढ़कर अगस्त, 2025 के अंत तक 134.51% हो गया और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण दूरसंचार घनत्व 59.19% से बढ़कर 59.31% हो गया। अगस्त, 2025 के अंत तक कुल टेलिफोन उपभोक्ताओं की संख्या में शहरी और ग्रामीण सब्सक्राइबरों की हिस्सेदारी क्रमशः 56.09% तथा 43.91% थी।

दिनांक 31 अगस्त, 2025 की स्थिति के अनुसार सेवा क्षेत्र (एलएसए) वार समग्र दूरसंचार-घनत्व

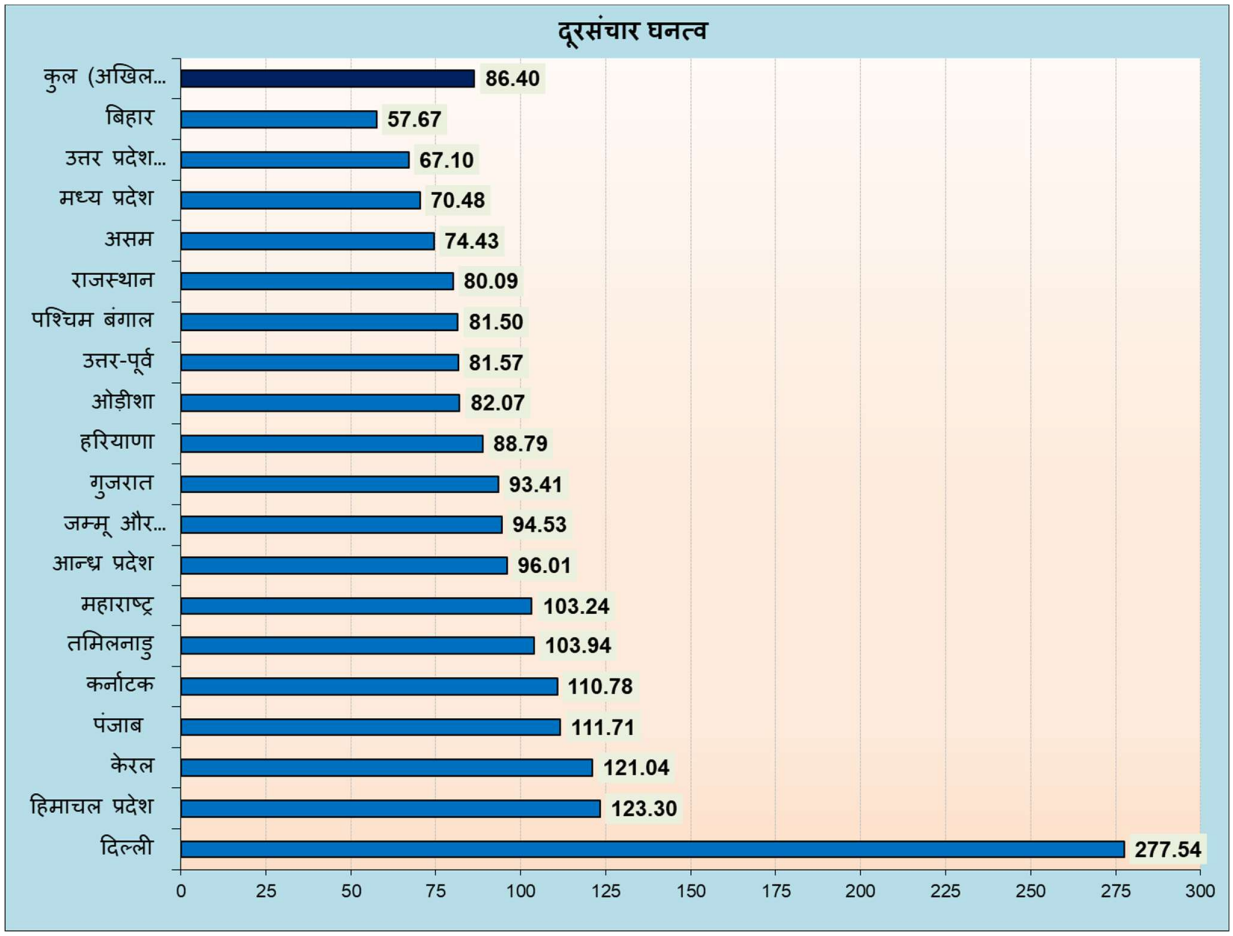

- जैसा कि उपर्युक्त चार्ट में देखा जा सकता है कि अगस्त, 2025 के अंत में आठ सेवा क्षेत्रों में टेली-घनत्व, अखिल भारत के औसत टेलि-घनत्व से कम रहा है। दिल्ली सेवा क्षेत्र में अधिकतम टेली-घनत्व 277.54% रहा और इसी दौरान बिहार सेवा क्षेत्र में न्यूनतम टेली-घनत्व 57.67% रहा।

नोट: -

1. जनसंख्या आंकड़े/अनुमान केवल राज्यवार ही उपलब्ध हैं।
2. दूरसंचार घनत्व के आंकड़ों को टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के द्वारा उपलब्ध कराए गए उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों तथा तकनीकी समूह की भारत और राज्यों के लिए जनसंख्या 2011-2036 के अनुमानों की रिपोर्ट के आकड़ो के आधार पर।
3. दिल्ली के लिए टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों में दिल्ली राज्य के आंकड़ों के अलावा, गाजियाबाद, और नोएडा (उत्तर प्रदेश में स्थित) तथा गुड़गांव और फरीदाबाद (हरियाणा में स्थित) के स्थानीय एक्सचेजों के दायरे में आने वाले क्षेत्रों हेतु वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़े शामिल हैं।
4. पश्चिम बंगाल में कोलकाता, महाराष्ट्र में मुंबई तथा उत्तर प्रदेश में उ0प्र0(पूर्व) एवं उ0प्र0(पश्चिम) सेवा क्षेत्रों की सूचनायें शामिल है।
5. आंघ्र प्रदेश में तेलंगाना, बिहार में झारखंड, मध्य प्रदेश में छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र में गोवा, उत्तर प्रदेश में उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल में सिक्किम तथा उत्तर-पूर्व में अरूणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड एवं त्रिपुरा राज्यों को शामिल किया गया है।

VI. सब्सक्राइबर बेस में श्रेणीवार वृद्धि

अगस्त, 2025 माह में टेलीफोन सब्सक्राइबरों की संख्या में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार जोड़े गए निबल नए सब्सक्राइबर

सेवा क्षेत्र श्रेणी	अगस्त, 2025 के माह में जोड़े गए निबल नए सब्सक्राइबर		दिनांक 31 अगस्त, 2025 की स्थिति के अनुसार सब्सक्राइबर की संख्या	
	वायरलाइन	वायरलेस*	वायरलाइन	वायरलेस*
श्रेणी - क	-501302	2034040	19910357	392166487
श्रेणी - ख	-660696	2184599	11131988	476648195
श्रेणी - ग	-134238	1189253	3312893	195571116
महानगर	-310269	711591	12151981	113644307
अखिल भारतीय	**-1606505**	**6119483**	**46507219**	**1178030105**

*वायरलेस में एफडब्ल्यूए सदस्यता भी शामिल है।

अगस्त, 2025 माह में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार टेलीफोन सब्सक्राइबरों की संख्या में मासिक एवं वार्षिक प्रतिशत वृद्धि दर

सेवा क्षेत्र श्रेणी	मासिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (जुलाई, 2025 से अगस्त, 2025)		वार्षिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (अगस्त, 2024 से अगस्त, 2025)	
	वायरलाइन	वायरलेस*	वायरलाइन	वायरलेस*
श्रेणी - क	-2.46%	0.52%	41.66%	0.89%
श्रेणी - ख	-5.60%	0.46%	12.21%	0.26%
श्रेणी - ग	-3.89%	0.61%	11.08%	2.79%
महानगर	-2.49%	0.63%	31.01%	-0.80%
अखिल भारतीय	**-3.34%**	**0.52%**	**28.35%**	**0.78%**

*वायरलेस में एफडब्ल्यूए सदस्यता भी शामिल है।

नोट: सेवाक्षेत्र श्रेणी महानगर में दिल्ली, मुंबई और कोलकाता शामिल हैं।

- जैसा कि ऊपर दी गई तालिकाओं में देखा जा सकता है, वायरलेस सेगमेंट में अगस्त, 2025 के महीने के दौरान, मासिक आधार पर सभी सर्किलों ने अपने सब्सक्राइबर बेस में वृद्धि दर दर्ज की है। वार्षिक आधार पर, श्रेणी महानगर को छोड़कर, अन्य सभी सर्किलों ने अपने सब्सक्राइबर बेस में वृद्धि दर्ज की है।
- वायरलाइन सेगमेंट में अगस्त, 2025 के महीने के दौरान सभी सर्किलों ने अपने सब्सक्राइबर बेस, मासिक आधार पर गिरावट एवं वार्षिक आधार पर वृद्धि दर्ज की है।

VII. सक्रिय वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर (वीएलआर आंकड़े)

- अगस्त, 2025 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर कुल वायरलैस (मोबाइल) सब्सक्राइबरों की संख्या 1,167.03 मिलियन में से 1086.18 मिलियन वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर सक्रिय थे। कुल वायरलैस (मोबाइल) सब्सक्राइबरों की संख्या की तुलना में सक्रिय वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर का अनुपात लगभग 93.07 प्रतिशत था।

- अगस्त, 2025 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर सक्रिय वायरलेस सब्सक्राइबर (जिसे वीएलआर सब्सक्राइबर भी कहा जाता है) के अनुपात के विस्तृत आंकड़े **अनुलग्नक-3** में उपलब्ध हैं तथा वीएलआर सब्सक्राइबर की संख्या की जानकारी प्रदान करने हेतु उपयोग की गई पद्धति **अनुलग्नक-4** में उपलब्ध है।

अगस्त, 2025 माह के दौरान टेलीफोन सेवा प्रदातावार वीएलआर सब्सक्राइबर का अनुपात

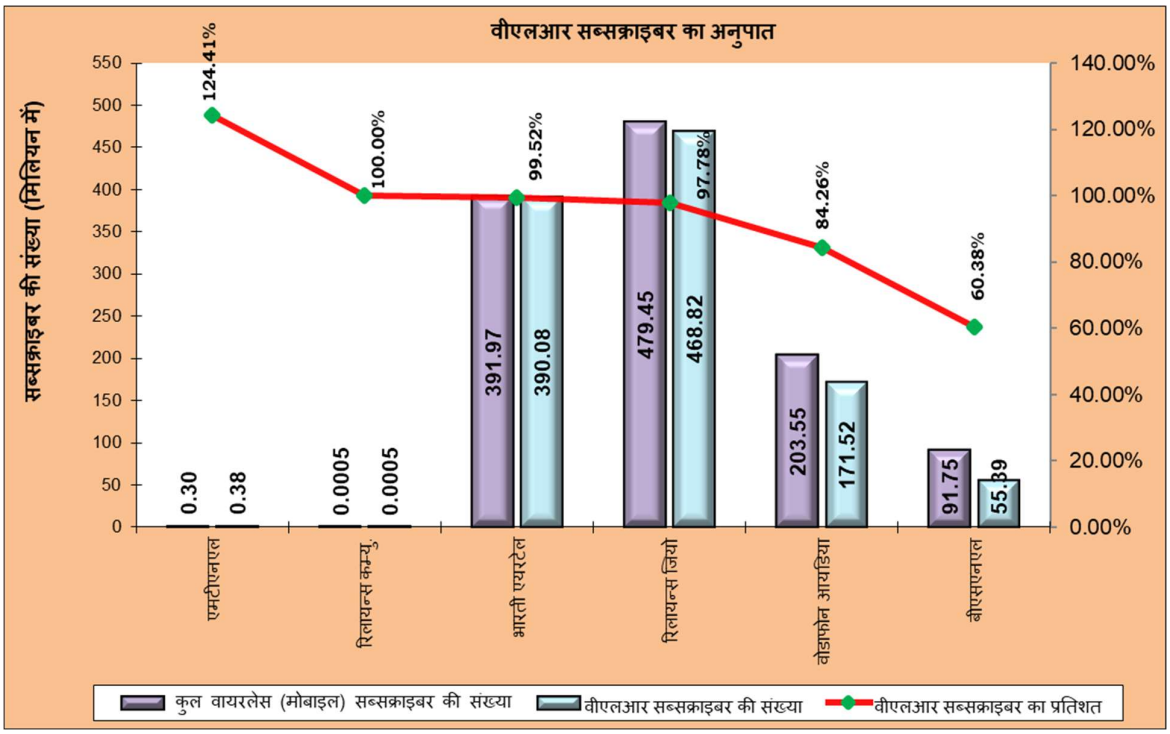

- अगस्त, 2025 माह में एमटीएनएल का अधिकतम वीएलआर की तिथि में वीएलआर सब्सक्राइबर का अनुपात उसके कुल वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर की संख्या का 124.41% है जो कि सभी वायरलेस टेलिफोन सेवा प्रदाताओं में अधिकतम है। इसी दौरान बीएसएनएल के वीएलआर सब्सक्राइबर का अनुपात उसके कुल वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर की संख्या का 60.38% अर्थात् न्यूनतम रहा।

अगस्त, 2025 माह के दौरान सेवा क्षेत्रवार वीएलआर सब्सक्राइबर का अनुपात

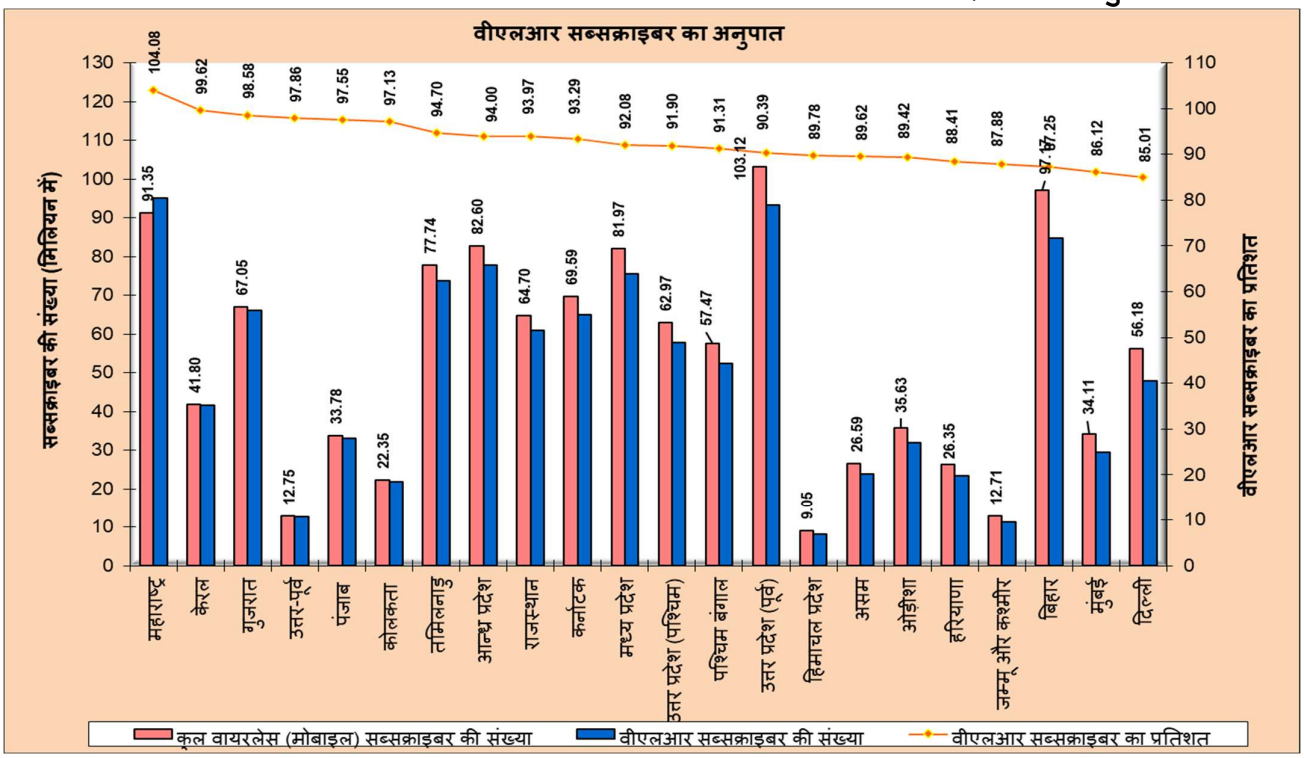

VIII. मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी)

- भारत में, अंतःसेवा-क्षेत्रीय मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी) को प्रथमतया दिनांक 25.11.2010 से हरियाणा सेवा क्षेत्र में तथा दिनांक 20.01.2011 से देश के अन्य सभी भागों में लागू किया गया था। दिनांक 03.07.2015 से देश में अंतर्सेवा-क्षेत्रीय एमएनपी लागू किया गया है। अब, वायरलैस मोबाइल सब्सक्राइबर एक सेवा क्षेत्र से दूसरे सेवा क्षेत्र में विस्थापित होने पर अपना मोबाइल नम्बर यथावत् रख सकते हैं।

- अगस्त, 2025 के माह में लगभग 15.05 मिलियन टेलीफोन सब्सक्राइबर से एमएनपी के लिए अनुरोध प्राप्त हुए। इन 15.05 मिलियन अनुरोधों में से 8.42 मिलियन अनुरोध जोन-I से तथा 6.62 मिलियन अनुरोध जोन-II से प्राप्त हुए हैं।

- एमएनपी क्षेत्र-I (उत्तरी तथा पश्चिम भारत) उत्तर प्रदेश-पूर्व सेवा क्षेत्र में (लगभग 2.09 मिलियन) सबसे अधिक अनुरोध प्राप्त हुए जिसके बाद उत्तर प्रदेश-पश्चिम सेवा क्षेत्र में (लगभग 1.52 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं।

- एमएनपी क्षेत्र-II (दक्षिण तथा पूर्वी भारत) में सबसे अधिक अनुरोध मध्य प्रदेश सेवा क्षेत्र में (लगभग 1.45 मिलियन) प्राप्त हुए हैं जिसके बाद बिहार सेवा क्षेत्र में (लगभग 1.30 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं।

सेवा क्षेत्र-वार एमएनपी हेतु दर्ज अनुरोध					
जोन-I			जोन-II		
सेवा क्षेत्र	महीने में पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या (मिलियन में)		सेवा क्षेत्र	महीने में पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या (मिलियन में)	
	जुलाई, 2025	अगस्त, 2025		जुलाई, 2025	अगस्त, 2025
दिल्ली	0.71	0.69	आन्ध्र प्रदेश	0.69	0.66
गुजरात	1.16	1.03	असम	0.13	0.13
हरियाणा	0.45	0.45	बिहार	1.15	1.30
हिमाचल प्रदेश	0.05	0.05	कर्नाटक	0.63	0.60
जम्मू और कश्मीर	0.08	0.07	केरल	0.30	0.28
महाराष्ट्र	1.13	1.06	कोलकाता	0.19	0.20
मुंबई	0.29	0.28	मध्य प्रदेश	1.47	1.45
पंजाब	0.40	0.39	उत्तर-पूर्व	0.03	0.03
राजस्थान	0.85	0.80	ओड़ीशा	0.25	0.25
उत्तर प्रदेश-पूर्व	2.13	2.09	तमिलनाडु	0.64	0.60
उत्तर प्रदेश-पश्चिम	1.53	1.52	पश्चिम बंगाल	1.15	1.12
कुल	**8.77**	**8.42**	**कुल**	**6.63**	**6.62**
कुल (जोन-I + जोन-II)				**15.41**	**15.05**

किसी भी प्रकार के स्पष्टीकरण के लिए कृपया संपर्क करें

श्री अखिलेश कुमार त्रिवेदी, सलाहकार (एनएसएल-**II**),
भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण
वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, टॉवर-एफ, नौरोजी नगर,
नई दिल्ली-**110029.**
फोन-**011-20907758**
ई-मेलः advmn@trai.gov.in

SHEO BHADRA SINGH
Digitally signed by SHEO BHADRA SINGH
Date: 2025.10.06 16:27:26 +05'30'

(एस. बी. सिंह)
प्रधान सलाहकार (एनएसएल), भा.दू.वि.प्रा.

वायरलाइन सब्सक्राइबर की संख्या

अनुलग्नक-1

सेवा क्षेत्र	बीएसएनएल		एमटीएनएल		भारतीएयरटेल		रिलायन्सकम्यु		टाटाटेलि.		क्वाइन्ट		वोडाफोनआइडिया		रिलायन्सजियो		एसटीपीएल		एपीएसएफएल		कुल		शुद्ध योग
	जुलाई-25	अगस्त-25	जुलाई-25	अगस्त-25	जुलाई-25	अगस्त-25	जुलाई-25	अगस्त-25	जुलाई-25	अगस्त-25	जुलाई-25	अगस्त-25	जुलाई-25	अगस्त-25	जुलाई-25	अगस्त-25	जुलाई-25	अगस्त-25	जुलाई-25	अगस्त-25	जुलाई-25	अगस्त-25	
आन्ध्र प्रदेश	653,585	658,951			892,986	910,792	14,872	12,973	1,057,269	1,072,411			81,320	83,740	1,880,855	1,787,509			534,980	429,754	**5,115,867**	**4,956,130**	**-159737**
असम	102,048	99,973			64,626	66,262	-	-					2,130	2,120	239,869	229,275					**408,673**	**397,630**	**-11043**
बिहार	165,566	166,393			391,649	394,801	9	9	55,327	56,750			2,409	5,159	775,056	680,151					**1,390,016**	**1,303,263**	**-86753**
दिल्ली	-	-	765,031	749,823	2,360,932	2,379,063	12,231	11,579	979,121	1,005,769			83,742	92,232	1,232,692	1,105,657					**5,433,749**	**5,344,123**	**-89626**
गुजरात	466,027	466,013			326,785	333,604	2,318	1,598	760,166	765,690			90,830	86,416	955,350	836,469					**2,601,476**	**2,489,790**	**-111686**
हरियाणा	362,232	363,692			213,333	217,232	-	-	193,241	179,655			360	390	245,219	168,952					**1,014,385**	**929,921**	**-84464**
हिमाचल प्रदेश	97,156	97,119			24,549	24,969	-	-	4,038	3,838			60	60	76,571	74,334					**202,374**	**200,320**	**-2054**
जम्मू और कश्मीर	51,700	49,663			140,764	141,819	-	-					30	30	279,924	253,192					**472,418**	**444,704**	**-27714**
कर्नाटक	673,654	667,498			1,280,539	1,270,928	11,631	11,244	2,646,636	2,667,777			161,799	173,584	1,185,952	1,098,885					**5,960,211**	**5,889,916**	**-70295**
केरल	1,202,567	1,202,243			131,565	136,748	2,296	2,327	98,730	98,073			6,477	6,417	387,446	386,411					**1,829,081**	**1,832,219**	**3138**
कोलकता	229,062	229,690			213,451	219,941	2,571	2,065	365,841	371,948			13,231	12,157	661,100	597,515					**1,485,256**	**1,433,316**	**-51940**
मध्य प्रदेश	306,221	304,764			614,485	612,610	5	5	128,185	113,287			43,732	47,812	1,086,139	1,005,615					**2,178,767**	**2,084,093**	**-94674**
महाराष्ट्र	648,683	643,695			615,448	622,481	6,474	6,294	1,028,039	1,059,376			20,020	19,758	495,061	355,924					**2,813,725**	**2,707,528**	**-106197**
मुंबई	2,162	2,162	1,013,347	841,317	631,229	636,987	30,734	29,201	2,641,180	2,664,519			183,916	184,686	1,040,677	1,015,670					**5,543,245**	**5,374,542**	**-168703**
उत्तर-पूर्व	60,000	60,239			-	180	-	-					450	450	227,903	226,258					**288,353**	**287,127**	**-1226**
ओड़ीशा	155,408	156,151			92,234	94,837	4	4	88,094	93,512			2,592	3,032	346,965	332,313					**685,297**	**679,849**	**-5448**
पंजाब	549,362	552,098			401,526	408,561	1,506	1,411	61,169	61,928	341,908	340,170	1,180	1,150	547,263	436,663	50,336	51,339			**1,954,250**	**1,853,320**	**-100930**
राजस्थान	297,104	295,870			336,964	345,469	2,760	2,602	87,753	86,504			9,475	9,575	652,275	533,291					**1,386,331**	**1,273,311**	**-113020**
तमिलनाडु	979,911	978,993			1,042,209	1,053,021	9,361	8,689	788,311	799,436			30,045	29,515	1,070,543	997,339					**3,920,380**	**3,866,993**	**-53387**
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	138,566	139,288			345,860	354,723	29	30	51,667	52,173			16,112	15,992	812,194	698,975					**1,364,428**	**1,261,181**	**-103247**
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	213,233	212,860			240,391	244,333	7	7	24,720	24,544			3,582	3,432	927,568	795,150					**1,409,501**	**1,280,326**	**-129175**
पश्चिम बंगाल	177,951	179,196			95,098	95,346	21	21	7,317	7,317			150	150	375,404	335,587					**655,941**	**617,617**	**-38324**
कुल	**7,532,198**	**7,526,551**	**1,778,378**	**1,591,140**	**10,456,623**	**10,564,707**	**96,829**	**90,059**	**11,066,804**	**11,184,507**	**341,908**	**340,170**	**753,642**	**777,857**	**15,502,026**	**13,951,135**	**50,336**	**51,339**	**534,980**	**429,754**	**48,113,724**	**46,507,219**	**-1606505**
शुद्ध योग		**-5647**		**-187238**		**108084**		**-6770**		**117703**		**-1738**		**24215**		**-1550891**		**1003**		**-105226**		**-1606505**	
ग्रामीणग्राहक	**2,159,799**	**2,169,413**	**29**	**29**	**2,692**	**2,807**	**300**	**300**	**1,517,914**	**1,480,016**	**165,679**	**165,222**	**-**	**-**	**1,383,645**	**919,664**	**-**	**-**	**401,741**	**250,168**	**5,631,799**	**4,987,619**	**-644180**

वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर की संख्या

अनुलग्नक-2

सेवा क्षेत्र	भारती एयरटेल		रिलायन्स कम्यु		वोडाफोन आइडिया		बीएसएनएल		एमटीएनएल		रिलायन्स जियो		कुल		शुद्ध योग
	जुलाई-25	अगस्त-25	जुलाई-25	अगस्त-25	जुलाई-25	अगस्त-25	जुलाई-25	अगस्त-25	जुलाई-25	अगस्त-25	जुलाई-25	अगस्त-25	जुलाई-25	अगस्त-25	
आन्ध्र प्रदेश	34,321,932	34,324,394	-	-	9,503,297	9,449,201	6,916,286	7,145,108			31,730,391	31,680,474	**82,471,906**	**82,599,177**	127271
असम	12,351,382	12,395,925			1,442,516	1,455,241	2,925,869	2,985,454			9,749,921	9,756,836	**26,469,688**	**26,593,456**	123768
बिहार	40,807,978	40,849,847	-	-	7,949,346	7,895,064	5,648,429	5,670,590			42,460,057	42,759,124	**96,865,810**	**97,174,625**	308815
दिल्ली	19,071,921	19,131,497	2	2	16,650,505	16,684,556			174,277	173,896	20,027,060	20,188,419	**55,923,765**	**56,178,370**	254605
गुजरात	12,555,074	12,577,571	1	1	19,702,070	19,601,026	3,231,672	3,270,353			31,429,998	31,596,608	**66,918,815**	**67,045,559**	126744
हरियाणा	7,346,147	7,385,349	-	-	6,300,847	6,283,096	4,281,565	4,344,316			8,312,701	8,336,557	**26,241,260**	**26,349,318**	108058
हिमाचल प्रदेश	3,608,108	3,638,457	-	-	383,681	386,776	1,684,645	1,734,975			3,239,834	3,284,943	**8,916,268**	**9,045,151**	128883
जम्मू और कश्मीर	6,373,463	6,366,434	-	-	254,920	257,671	863,591	868,064			5,158,575	5,215,584	**12,650,549**	**12,707,753**	57204
कर्नाटक	32,466,518	32,517,839	402	398	6,936,855	7,143,986	4,502,365	4,577,062			25,208,588	25,355,502	**69,114,728**	**69,594,787**	480059
केरल	9,177,773	9,239,679	4	4	12,828,062	12,800,992	8,789,243	8,882,915			10,858,996	10,880,877	**41,654,078**	**41,804,467**	150389
कोलकता	5,319,701	5,307,971	-	-	4,774,683	4,773,654	1,365,363	1,412,094			10,872,556	10,856,699	**22,332,303**	**22,350,418**	18115
मध्य प्रदेश	16,736,923	16,763,182	-	-	13,253,296	13,205,304	5,034,420	5,097,504			46,554,116	46,904,836	**81,578,755**	**81,970,826**	392071
महाराष्ट्र	22,837,997	22,917,455	-	-	20,296,273	20,412,459	5,221,931	5,269,712			42,754,621	42,750,188	**91,110,822**	**91,349,814**	238992
मुंबई	10,087,725	10,087,793	58	55	10,707,338	10,711,565			130,343	128,673	13,034,340	13,181,320	**33,959,804**	**34,109,406**	149602
उत्तर-पूर्व	6,459,452	6,456,645	-	-	625,765	623,613	1,276,976	1,265,400			4,397,036	4,405,505	**12,759,229**	**12,751,163**	-8066
ओड़ीशा	11,982,404	12,041,180	-	-	1,454,416	1,464,721	5,529,977	5,558,768			16,420,531	16,569,457	**35,387,328**	**35,634,126**	246798
पंजाब	12,530,737	12,541,673	7	6	5,860,493	5,816,725	4,052,811	4,073,746			11,371,007	11,344,386	**33,815,055**	**33,776,536**	-38519
राजस्थान	23,418,747	23,350,479	50	52	8,886,044	8,804,377	5,624,794	5,706,894			26,733,882	26,840,210	**64,663,517**	**64,702,012**	38495
तमिलनाइ	30,671,841	30,791,628	-	-	14,502,108	14,450,929	7,786,672	7,899,317			24,574,594	24,596,968	**77,535,215**	**77,738,842**	203627
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	36,081,574	35,998,468	-	-	15,968,617	15,931,810	8,069,909	8,263,805			42,684,115	42,928,104	**102,804,215**	**103,122,187**	317972
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	18,821,303	18,851,882	-	-	14,162,137	14,074,444	4,973,433	5,104,295			24,897,176	24,935,214	**62,854,049**	**62,965,835**	111786
पश्चिम बंगाल	18,449,535	18,438,974	9	8	11,416,726	11,323,801	2,583,586	2,618,398			25,034,395	25,085,842	**57,484,251**	**57,467,023**	-17228
कुल	**391,478,235**	**391,974,322**	**533**	**526**	**203,859,995**	**203,551,011**	**90,363,537**	**91,748,770**	**304,620**	**302,569**	**477,504,490**	**479,453,653**	**1,163,511,410**	**1,167,030,851**	**3519441**
शुद्ध योग		**496,087**		**-7**		**-308984**		**1385233**		**-2051**		**1,949,163**	**0**	**3519441**	
ग्रामीण ग्राहक	190,175,702	190,631,400	-	-	96,909,558	96,400,277	29,804,657	30,265,054	3,642	3,634	210,598,659	211,239,506	**527,492,218**	**528,539,871**	**1047653**

अगस्त, 2025 के माह के दौरान अधिकतम वीएलआर की तिथि को वीएलआर का अनुपात (प्रतिशत में) अनुलग्नक-III

सेवा क्षेत्र	भारती एयरटेल	बीएसएनएल	वोडाफोन आइडिया	एमटीएनएल	रिलायन्स कम्यु	रिलायन्स जियो	कुल
आन्ध्र प्रदेश	98.53	65.94	92.89		-	95.76	**94.00**
असम	98.68	24.57	88.94		-	98.11	**89.62**
बिहार	87.83	35.94	81.83		-	94.52	**87.25**
दिल्ली	95.69		52.72	166.04	100.00	100.89	**85.01**
गुजरात	115.20	49.30	90.20		0.00	102.27	**98.58**
हरियाणा	102.21	34.16	91.68		-	102.01	**88.41**
हिमाचल प्रदेश	95.96	51.87	92.79		-	102.62	**89.78**
जम्मू और कश्मीर	99.92	61.39	79.45		-	78.00	**87.88**
कर्नाटक	98.95	70.03	71.21		100.00	96.45	**93.29**
केरल	101.32	114.12	93.56		-	93.45	**99.62**
कोलकता	101.12	95.95	86.49		-	100.01	**97.13**
मध्य प्रदेश	98.93	44.78	85.11		-	96.74	**92.08**
महाराष्ट्र	109.32	89.76	93.93		-	107.89	**104.08**
मुंबई	98.29		71.13	68.16	100.00	89.16	**86.12**
उत्तर-पूर्व	101.07	54.53	94.88		-	106.04	**97.86**
ओड़ीशा	101.37	44.45	87.53		-	95.98	**89.42**
पंजाब	111.97	50.93	91.70		100.00	101.36	**97.55**
राजस्थान	100.49	41.08	91.28		100.00	100.42	**93.97**
तमिलनाडु	98.47	90.86	80.54		-	99.53	**94.70**
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	99.88	34.69	86.16		-	94.73	**90.39**
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	104.50	39.70	89.19		-	94.59	**91.90**
पश्चिम बंगाल	93.71	77.20	86.53		100.00	93.17	**91.31**
कुल	**99.52**	**60.38**	**84.26**	**124.41**	**100.00**	**97.78**	**93.07**

नोट: इनरोमर्स की बड़ी संख्या के कारण कुछ सेवा प्रदाताओं के कुछ सेवा क्षेत्रों में अधिकतम वीएलआर आंकड़े, एचएलआर आकड़ों से अधिक हो सकते हैं।

अनुलग्नक-IV

वायरलैस क्षेत्र में वीएलआर सब्सक्राइबर

होम लोकेशन रजिस्टर (एचएलआर) एक केन्द्रीयकृत डाटाबेस है जिसमें प्रत्येक मोबाइल फोन सब्सक्राइबर की संख्या का ब्योरा अंतर्विष्ट होता है जो कि जीएसएम मुख्य नेटवर्क उपयोग करने के लिए प्राधिकृत है। एचएलआर में सेवा प्रदाता द्वारा जारी प्रत्येक सिम कार्ड का ब्यौरा रखा जाता है। प्रत्येक सिम की एक विशिष्ट पहचान होती है जिसे अंतर्राष्ट्रीय मोबाइल पहचान (आईएमएसआई) कहते हैं, जोकि प्रत्येक एचएलआर रिकार्ड की प्राथमिक कुंजी होता है। एचएलआर डाटा को तब तक सुरक्षित रखा जाता है जब तक सब्सक्राइबर, सेवा प्रदाता के साथ जुड़ा रहता है। एचएलआर प्रशासनिक क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की स्थिति को अद्यतन कर सब्सक्राइबर के अंतरण का भी प्रबंधन करता है। यह विजिटर अवस्थिति रजिस्टर (वीएलआर) सब्सक्राइबर का डाटा भेजता है।

सब्सक्राइबर की संख्या के बारे में सेवा प्रदाता द्वारा दी गई संख्या, सेवा प्रदाता के एचएलआर में पंजीकृत आईएमएसआई की संख्या तथा नीचे दिए गए अन्य आंकड़ों का जोड़ हैः –

1.	**एचएलआर में कुल आईएमएसआई (ए)**
2.	घटाः (**बी**=क+ख+ग+घ+ङ)
क.	जांच/सेवा कार्ड
ख.	कर्मचारी
ग.	हस्तगत स्टाक/संवितरण चेनल (एक्टिव कार्ड)
घ.	सब्सक्राइबर को बनाए रखने की अवधि की समाप्ति
ङ	कनेक्शन को बंद किए जाने के दौरान सेवा समाप्ति
3.	**सब्सक्राइबर की संख्या (ए - बी)**

विजिटर लोकेशन रजिस्टर (वीएलआर) सब्सक्राइबर का एक अस्थायी डाटाबेस होता है जिन्होंने किसी सेवा प्रदाता के सेवा क्षेत्र के विशिष्ट क्षेत्र में दौरा (रोम-इन) किया है। नेटवर्क में प्रत्येक बेस स्टेशन को केवल एक वीएलआर द्वारा सेवा प्रदान की जाती है। इसलिए, कोई सब्सक्राइबर एक समय में एक से अधिक वीएलआर में मौजूद नहीं रह सकता है।

यदि सब्सक्राइबर सक्रिय अवस्था में है अर्थात् वह काल करने/प्राप्त करने/एसएमएस भेजने/प्राप्त करने में सक्षम है, तो वह एचएलआर तथा वीएलआर में उपलब्ध है। तथापि, यह संभव है कि सब्सक्राइबर ने फोन बंद कर रखा हो अथवा वह कवरेज क्षेत्र से बाहर चला गया हो, पहुंच क्षेत्र से बाहर हो तथा इस कारण वह एचएलआर में पंजीकृत हो तथा वीएलआर में पंजीकृत नहीं हो। ऐसी परिस्थितियों में वह एचएलआर में उपस्थित होगा वीएलआर में नहीं। इससे सेवा प्रदाताओं द्वारा संसूचित सब्सक्राइबर की संख्या तथा वीएलआर में उपलब्ध संख्या के बीच अंतर आ जाता है।

यहां परिकलित वीएलआर डाटा, जिस विशिष्ट माह के लिए आंकड़ों को संग्रहित किया जा रहा है, उसके लिए अधिकतम वीएलआर की तिथि पर वीएलआर में सक्रिय सब्सक्राइबर के आधार पर परिकलित किया जाता है। यह डाटा ऐसे स्विचों से लिये जाने होते हैं जिनका **72** घंटों से अधिक का 'पर्ज टाइम' (डाटा समाप्ति का समय) न हो।

5G FWA सब्सक्राइबर की संख्या **अनुलग्नक-V**

सेवा क्षेत्र	भारती एयरटेल		रिलायन्स जियो		कुल	
	जुलाई-25	अगस्त-25	जुलाई-25	अगस्त-25	जुलाई-25	अगस्त-25
आन्ध्र प्रदेश	177,752	195,960	547,960	573,123	**725,712**	**769,083**
असम	36,911	40,624	143,848	152,880	**180,759**	**193,504**
बिहार	74,641	85,980	490,871	525,129	**565,512**	**611,109**
दिल्ली	106,193	113,891	229,078	229,208	**335,271**	**343,099**
गुजरात	111,916	122,558	375,537	387,552	**487,453**	**510,110**
हरियाणा	54,399	59,338	186,951	195,556	**241,350**	**254,894**
हिमाचल प्रदेश	8,825	9,695	58,402	62,206	**67,227**	**71,901**
जम्मू और कश्मीर	32,137	35,003	144,039	150,144	**176,176**	**185,147**
कर्नाटक	174,477	190,348	351,817	363,327	**526,294**	**553,675**
केरल	35,550	39,504	131,059	139,760	**166,609**	**179,264**
कोलकता	63,435	67,843	154,978	156,257	**218,413**	**224,100**
मध्य प्रदेश	84,597	91,576	426,614	452,663	**511,211**	**544,239**
महाराष्ट्र	170,668	185,785	512,281	532,893	**682,949**	**718,678**
मुंबई	70,080	75,632	93,080	95,525	**163,160**	**171,157**
उत्तर-पूर्व	19,321	21,709	69,391	73,208	**88,712**	**94,917**
ओड़ीशा	43,173	47,296	211,432	226,688	**254,605**	**273,984**
पंजाब	91,332	99,479	404,730	419,972	**496,062**	**519,451**
राजस्थान	116,617	127,478	363,258	381,286	**479,875**	**508,764**
तमिलनाडु	242,085	262,278	316,468	326,039	**558,553**	**588,317**
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	105,951	117,839	520,021	550,049	**625,972**	**667,888**
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	84,647	94,590	411,662	435,985	**496,309**	**530,575**
पश्चिम बंगाल	48,576	54,164	302,452	331,841	**351,028**	**386,005**
कुल	**1953283**	**2,138,570**	**6,445,929**	**6,761,291**	**8,399,212**	**8,899,861**
शुद्ध योग		**185287**		**315362**		**500649**
मासिक वृद्धि%		**9.49%**		**4.89%**		**5.96%**

अनुलग्नक-VI

यूबीआर एफडब्ल्यूए सब्सक्राइबर बेस

सेवा क्षेत्र	31.08.2025 को रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड* के यूबीआर एफडब्ल्यूए ग्राहकों की संख्या
आन्ध्र प्रदेश	**157,025**
असम	**17,555**
बिहार	**139,818**
दिल्ली	**144,120**
गुजरात	**152,408**
हरियाणा	**94,995**
हिमाचल प्रदेश	**4,677**
जम्मू और कश्मीर	**39,283**
कर्नाटक	**120,346**
केरल	**6,550**
कोलकता	**89,559**
मध्य प्रदेश	**115,637**
महाराष्ट्र	**172,621**
मुंबई	**34,078**
उत्तर-पूर्व	**7,096**
ओड़ीशा	**25,851**
पंजाब	**133,799**
राजस्थान	**154,604**
तमिलनाडु	**96,045**
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	**150,701**
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	**179,922**
पश्चिम बंगाल	**62,703**
कुल	**2,099,393**

* केवल रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड ने यूबीआर एफडब्ल्यूए ग्राहकों की संख्या की जानकारी दी है।